have been undertaken with the involvement of scientific institutions in India at location in Pondicherry, Bhuj (Gujarat), Bhavnagar (Gujarat), and Bangalore (Karnataka) mostly for heating applications. The Solar Pond at Bhuj which was commissioned recently is supplying hot water to a milk dairy. Solar ponds have not been found to be cost effective for power generation but could prove useful for heating purposes particularly for use in industries and for applications in dairies, hospitals, hotels and commercial establishments. Solar Ponds can be established in states with high solar energy availability without heavy rainfall.

Power Generation from Garbage in Tamil Nadu

3203. SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN:
SHRI J. S. RAJU:
SHRI MISA R. GANESAN:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the proposal of a project for power generation from garbage in Tamil Nadu; and

(b) whether Tamil Nadu Government has sought any financial assistance for this project.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI S. KRISHNA KUMAR): (a) Yes, Sir. The Government are aware of the proposal of Tamil Nadu Industrial Development Corporation (TIDCO) and a private firm to set up a project in Joint Sector at a cost of Rs. 19 crores for power generation from garbage.

(b) No financial assistance has been sought by Tamil Nadu Government so far.

गुजरात में पवन चक्कियां

3204. श्री चिमनभाई हरिभाई शुल्क : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के भीतर गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र के जिलों में कितनी पवन चक्कियां स्थापित की गई;

(ख) क्या सरकार ने पवन चक्कियों के प्रयोग को प्रोत्साहन देने के लिए कोई योजना चालू की है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार को इस योजना में विदेशी पूंजी निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं; यदि हां तो इस सहायता का किस प्रकार से उपयोग किए जाने की संभावना है;

(ङ) इस संबंध में निबंधन एवं शर्तें क्या हैं; और

(च) उक्त विदेशी सहायता धनराशि को कहां और किस प्रकार खर्च किया जायेगा ?

गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस. कृष्ण कुमार) : (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में 11 पवन विद्युत जनत्र लगाए गए हैं।

(ख) और (ग) बड़े पैमाने पर पवन विद्युत उत्पादन को निम्नलिखित योजनाओं के अंतर्गत प्रोत्साहित किया जा रहा है :–

(I) केन्द्र सरकार की आंशिक सहायता से प्रदर्शन पवन फार्म परियोजनाएं।

(II) उदार ऋणों के माध्यम से निजी क्षेत्र परियोजनाएं।

(III) निजी निवेश के माध्यम से प्रोत्साहन से चलने वाली परियोजनाएं।

अपेक्षाकृत अच्छे निजी क्षेत्र की सहभागिता और लगभग पूर्ण वाणिज्यीकरण